



## शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान

डॉ विष्णु कुमार

### सार

शिक्षा एक ऐसी सामाजिक दुनिया है जहाँ विभिन्न कारक, तत्व, प्रक्रियाएँ, उत्पाद इत्यादि परस्पर जुड़े हुए हैं। इस सामाजिक दुनिया में शोधकर्ता का काम गहरी खोज करना और कारकों, प्रभावों, कारणों, प्रभावों, संबंधों आदि का पता लगाना है और दूसरों को शोध के कनेक्शन को समझने में मदद करना है। शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान एक शैक्षिक प्रक्रियाओं की समझ और सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुणात्मक शोध के परिणामों को प्रदर्शित करता है। शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विभिन्न क्षेत्रों, विषयों और गुणात्मक कार्यप्रणाली दृष्टिकोणों में किए गए शैक्षिक अनुसंधानों के परिणामों को इकट्ठा करता है। यह शोध एक जांच है जिस तरह से लोग अपने आसपास एक निश्चित सामाजिक स्थिति की व्याख्या करते हैं। इसमें आमतौर पर साक्षात्कार या वार्तालाप शामिल होते हैं, जो गैर-संख्यात्मक डेटा का उत्पादन करते हैं। गुणात्मक शोध का एक उदाहरण यह पहचान रहा है कि सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रम इससे प्रभावित लोगों से सीधे बात करके कितना प्रभावी है।

### प्रस्तावना

शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान एक शैक्षिक प्रक्रियाओं की समझ और सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुणात्मक शोध के परिणामों को प्रदर्शित करता है। शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विभिन्न क्षेत्रों, विषयों और गुणात्मक कार्यप्रणाली दृष्टिकोणों में किए गए शैक्षिक अनुसंधानों के परिणामों को इकट्ठा करता है। इन जांचों का अंतिम उद्देश्य शैक्षिक प्रक्रियाओं या संदर्भों में सुधार करना है। नतीजतन शिक्षा और शिक्षा से जुड़े कार्यों के अनुशासनात्मक और बहु-अनुशासनात्मक और अधिक से अधिक शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, नृविज्ञान, इतिहास, दर्शन, भाषा विज्ञान, भूगोल, गणित, शारीरिक शिक्षा, संगीत या राजनीति विज्ञान से संबंधित है।

शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान डेटाबेस जैसे कि ERIH, SCOPUS या सामाजिक विज्ञान में सूचकांक के भीतर जल्द से जल्द अनुक्रमित करने की आवश्यकता होती है अनुसंधान समस्या या स्थानीय आबादी के दृष्टिकोण से विषय जिसमें यह शामिल है। गुणात्मक मूल्यों के बारे में सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट जानकारी प्राप्त करने में अनुसंधान विशेष रूप से प्रभावी है, राय, व्यवहार और विशेष आबादी के सामाजिक संदर्भ। गुणात्मक शोध से हम क्या सीख सकते हैं? गुणात्मक अनुसंधान की ताकत इसकी जटिल पाठ्य विवरण प्रदान करने की क्षमता है कि कैसे लोग किसी दिए गए शोध मुद्दे का अनुभव करते हैं। यह “मानव” पक्ष के बारे में जानकारी प्रदान करता है। व्यक्तियों गुणात्मक तरीके अमूर्त कारकों को पहचानने में भी प्रभावी हैं,

### गुणात्मक शोध क्या है?

लोगों के साथ वार्तालाप“ बहुत विशिष्ट नहीं है, इसलिए थोड़ा गहराई से जाने दें। परिभाषा के अनुसार, गुणात्मक शोध एक जांच है जिस तरह से लोग अपने आसपास एक निश्चित सामाजिक स्थिति की व्याख्या करते हैं। इसमें आमतौर पर साक्षात्कार या वार्तालाप शामिल होते हैं, जो गैर-संख्यात्मक डेटा का उत्पादन करते हैं। गुणात्मक शोध का एक उदाहरण यह पहचान रहा है कि सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रम इससे प्रभावित लोगों से सीधे बात करके कितना प्रभावी है।

गुणात्मक अनुसंधान अक्सर समय गहन होता है, मुख्य रूप से क्योंकि इसमें लंबे समय तक लोगों के साथ बातचीत करके डेटा एकत्र करने की आवश्यकता होती है। फिर, डेटा एकत्र करने, बातचीत का विश्लेषण करने और अंतर्दृष्टि लाने के बाद भी समय लगता है।

गुणात्मक शोध दो स्थितियों में उपयोगी है: जब अनुसंधान प्रश्नों को तेज करने की आवश्यकता होती है: किसी भी अध्ययन की शुरुआत में, शोधकर्ताओं को केवल एक मोटा विचार हो सकता है कि वे किस पर डेटा एकत्र करना चाहते हैं और वे उस डेटा को कैसे एकत्र कर सकते हैं। गुणात्मक अनुसंधान का उपयोग करने से शोधकर्ताओं को उनकी समस्या को समझने में मदद मिल सकती है, उनकी परिकल्पना पर शून्य, और अध्ययन के सामने के रूप में आगे के अनुसंधान के लिए एक डिजाइन (या तो गुणात्मक या मात्रात्मक) बना सकते हैं।

जब आपको किसी समस्या के विस्तृत विवरण की आवश्यकता होती है: जटिल मुद्दों के लिए, सरल आँकड़े दिखा सकते हैं कि क्या हो रहा है, लेकिन ऐसा क्यों नहीं हो रहा है। इन परिदृश्यों में, गुणात्मक शोध सामाजिक परिस्थितियों की खोज और उन्हें विस्तार से समझाने के लिए सहायक है। उदाहरण के लिए, मात्रात्मक डेटा दिखा सकता है कि कितनी लड़कियां स्कूल से बाहर निकलती हैं, लेकिन

गुणात्मक डेटा शोधकर्ताओं को उन बाधाओं को समझने में मदद कर सकते हैं जो माता-पिता को लड़कियों को स्कूल भेजने से रोकते हैं। कई अलग-अलग गुणात्मक शोध विधियां हैं। आपको किस विधि का उपयोग करना चाहिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, तीन सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले गुणात्मक अनुसंधान विधियां गहन साक्षात्कार, फोकस समूह चर्चा (एफजीडी) और अवलोकन हैं।

### **गहराई से साक्षात्कार गहन साक्षात्कार क्या है?**

एक-से-एक साक्षात्कार सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला गुणात्मक अनुसंधान विधि है। वे अर्ध-संरचित हैं, जिसका अर्थ है कि पूछे जाने वाले प्रश्न और संबोधित किए जाने वाले मुद्दे द्रव्य हैं और साक्षात्कार के रूप में आकार लेते हैं।

### **गहराई से साक्षात्कार में कितना समय लगता है?**

एक गहराई से साक्षात्कार 60-90 मिनट तक रह सकता है और आमने-सामने आयोजित किया जाता है। हाँ। भागीदारी स्वैच्छिक होनी चाहिए, और प्रत्येक व्यक्ति को साक्षात्कार में भाग लेने से पहले सूचित सहमति देनी होगी। क्या प्रतिभागियों को अपनी अनुमति देने की आवश्यकता है?

### **जब गहराई से साक्षात्कार उपयोगी होते हैं?**

गहराई से साक्षात्कार उन स्थितियों में आदर्श होते हैं जहाँ शोध विषय जटिल है। (उदाहरण के लिए, क्या कारक प्रभावित करते हैं कि एक निश्चित स्तर के पुरुष गर्भनिरोधक का उपयोग करते हैं?) शोध विषय संवेदनशील है। (उदाहरण के लिए, लोगों के समूह के बीच शराब की व्यापकता को समझना।) अध्ययन के लिए विस्तृत जानकारी की आवश्यकता है।

गहराई से साक्षात्कार का उपयोग अनुसंधान के किसी भी चरण में किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, उन्हें कार्यक्रम की प्रगति को मानने के लिए, या कार्यक्रम के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता को समझने के लिए बीच में, परिकल्पनाओं का पता लगाने और शोध योजना निर्धारित करने के लिए एक कार्यक्रम की शुरुआत में आयोजित किया जा सकता है।

### **प्रतिभागियों का साक्षात्कार कौन लेना चाहिए?**

अत्यधिक कुशल साक्षात्कारकर्ता प्रभावी इन-इंटरव्यू के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह महत्वपूर्ण है कि साक्षात्कारकर्ता संवेदनशील, सशक्त, और साक्षात्कारकर्ताओं के लिए एक आरामदायक वातावरण

स्थापित करने में सक्षम हैं। साक्षात्कारकर्ताओं को अध्ययन और अनुसंधान के उद्देश्यों के तहत दोनों विषयों की गहरी समझ होनी चाहिए, इसलिए वे प्रासंगिक और क्रियात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करने वाले प्रश्न पूछ सकते हैं। गरीब साक्षात्कार कौशल, प्रश्नों के खराब अध्ययन, या विषय की संस्कृति या संदर्भ के अपर्याप्त ज्ञान के परिणामस्वरूप डेटा में परिणाम हो सकता है जो सटीक या उपयोगी नहीं है। साक्षात्कारकर्ताओं का चयन करते समय, शोधकर्ताओं को व्यक्तिगत विशेषताओं को तौलना भी पड़ सकता है जो साक्षात्कारकर्ताओं के साथ साक्षात्कारकर्ताओं को अधिक आरामदायक बना देगा। उदाहरण के लिए, उम्र, लिंग और पेशे महत्वपूर्ण लक्षण हो सकते हैं।

### **शोधकर्ताओं को गहराई से साक्षात्कार के लिए कैसे तैयार करना चाहिए?**

गहराई से साक्षात्कार आम तौर पर खुले-समाप्त प्रश्नों के साथ शुरू होते हैं, फिर साक्षात्कारकर्ता विभिन्न विषयों की जांच के लिए आगे के प्रश्नों का उपयोग करते हैं। साक्षात्कारकर्ता के पास उन मुद्दों की एक सूची के साथ तैयार एक मार्गदर्शिका होनी चाहिए, जिन्हें प्रत्येक मुद्दे के लिए कुछ उपयुक्त प्रश्नों या जांच के साथ खोजा जाना है।

### **शोधकर्ताओं को गहराई से साक्षात्कार के दौरान डेटा कैसे एकत्र करना चाहिए?**

साक्षात्कार दर्ज किया जाना चाहिए। अधिमानतः, इसे तुरंत भी हस्तांतरित किया जाना चाहिए ताकि समय की वर्षगांठ में अदृश्य जानकारी जैसे कि बॉडी लैंग्वेज और भाव खो न जाएं।

### **गहराई से साक्षात्कार के लाभ**

1. समृद्ध डेटा और नई अंतर्दृष्टि
2. आमने-सामने बातचीत की अनुमति दें
3. विषय का गहन अध्ययन करने की अनुमति दें
4. भावात्मक और संज्ञानात्मक दोनों पहलुओं पर कब्जा कर सकते हैं
5. साक्षात्कारकर्ता को बेहतर प्रतिक्रियाओं के लिए प्रश्न / विषय को स्पष्ट करने या समझाने का अवसर दें

### **गहराई से साक्षात्कार की सीमाएँ**

1. महंगा और समय लेने वाला
2. उच्च प्रशिक्षित साक्षात्कारकर्ताओं की आवश्यकता है
3. भारी मात्रा में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे प्रतिलेखन और डेटा विश्लेषण मुश्किल हो जाता है

4. खोजपूर्ण बनाएँ, निर्णायक नहीं, परिणाम। इसका मतलब है कि उनके निष्कर्षों को आम तौर पर पूरी आबादी के लिए सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है।

विधि 2 फोकस समूह चर्चा (FGDs) Method 2 Focus group discussions (FGDs)

## एक FGD क्या है?

फोकस समूह चर्चा एक और सामान्य गुणात्मक शोध पद्धति है। एक फोकस समूह चर्चा में, एक साक्षात्कारकर्ता एक विचार, अवधारणा, सेवा, उत्पाद, आदि के प्रति अपनी धारणा, राय, विश्वास और दृष्टिकोण के बारे में लोगों के समूह से बात करता है। प्रतिभागी आमतौर पर ऐसे लोगों का समूह होते हैं जो किसी न किसी तरह से समान होते हैं, जैसे कि उनकी आय, शिक्षा, या व्यवसाय। इससे प्रतिभागियों को एक दूसरे के साथ अधिक सहज महसूस करने में मदद मिलती है।

## एक एफजीडी में कितने लोग शामिल होते हैं?

एक विशिष्ट फोकस समूह में 6 से 12 प्रतिभागियों के बीच कहीं भी होता है, और यह आमतौर पर कम से कम 3 FGD को पूरा करने के लिए सबसे अच्छा होता है। कई समूहों के साथ बात करने से अधिक गहराई या विविध जानकारी होती है।

## FGD को कितना समय लगता है?

एक FGD 60-90 मिनट का होना चाहिए। यदि FGD 60 मिनट से कम है, तो चर्चा विषय का पूरी तरह से पता लगाना मुश्किल है। यदि FGD 90 मिनट से अधिक लंबा है, तो चर्चा अनुत्पादक हो सकती है (जैसा कि प्रतिभागी थके हुए हैं) और चर्चा प्रतिभागियों के समय पर थोपना शुरू कर सकती है।

## क्या प्रतिभागियों को अपनी अनुमति देने की आवश्यकता है?

हाँ। शोधकर्ताओं को सभी प्रतिभागियों के लिए सूचित सहमति प्राप्त करनी चाहिए। भागीदारी स्वैच्छिक होनी चाहिए, हालांकि इसे प्रोत्साहन दिया जा सकता है।

## FGD कब उपयोगी हैं?

फोकस समूह इसके लिए सबसे उपयोगी हैं-

- 1- समस्याओं को पहचानना और परिभाषित करना
- 2- शोध के सवालों को तेज करने के लिए विषयों या विचारों का पूर्व परीक्षण
- 3- कार्यक्रम की ताकत, कमजोरियों और सिफारिशों की पहचान करना

- 4- मात्रात्मक निष्कर्षों की व्याख्या करना
- 5- परियोजना के परिणामों और प्रभावों पर लोगों के विचारों को सीखना
- 6- नए विचारों का सृजन
- 7- एफजीडी में, शोधकर्ता समूह को आम सहमति तक पहुंचाने की कोशिश नहीं कर रहा है। बल्कि, उनका लक्ष्य विषय पर विभिन्न लोगों की राय का पता लगाना है। इसलिए, एफजीडी के परिणाम खोजपूर्ण होते हैं, निर्णायक नहीं।

## FGD का संचालन कौन करे?

एक सफल FGD को एक कुशल मॉडरेटर की आवश्यकता होती है। एक मध्यस्थ के रूप में, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सभी प्रतिभागी सहज हैं और चर्चा में लगे हुए हैं, और उनकी राय सुनी जा रही है। निम्नलिखित तकनीकें सहायक हैं: यह सुनिश्चित करने के लिए तटस्थ रहें कि हर कोई अपनी राय व्यक्त करने में सहज महसूस करता है। कोई सिर हिलाकर या सिर हिलाकर, भौंहें उठाकर, टिप्पणियों से सहमत या असहमत, या प्रतिभागियों की प्रशंसा या बदनामी करते हुए।

शर्मीले प्रतिभागियों से आगे की जानकारी “क्या आप मुझे इसके बारे में और बता सकते हैं?”, “मुझे समझने में आपकी सहायता करें” या “क्या आप एक उदाहरण दे सकते हैं?”

प्रमुख प्रतिभागियों के साथ उनकी राय को स्वीकार करते हुए और अन्य रायों की विनती करके। जैसे वाक्य “धन्यवाद। दूसरे लोग क्या सोचते हैं?” मददगार हो सकता है।

पैराफेरेस या प्रतिभागियों द्वारा लंबी, अस्पष्ट टिप्पणियों का सारांश। यह प्रतिभागियों को दिखाता है कि मॉडरेटर सक्रिय रूप से सुन रहा है, और यह मध्यस्थ को यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि उसने प्रतिभागी के बयान को समझा है।

यदि आवश्यक हो तो अनायास कार्य करें। यदि बातचीत अप्रत्याशित, लेकिन उत्पादक दिशा में जाती है, तो उसके साथ जाएं और ऐसे प्रश्न पूछें जो प्रारंभिक प्रश्नावली पर नहीं थे। नए विषयों और विचारों की गहराई तक जांच करें, जब तक कि प्राप्त जानकारी मूल्यवान है।

## शोधकर्ताओं को गहराई से साक्षात्कार के दौरान डेटा कैसे एकत्र करना चाहिए?

जैसे कि गहराई से साक्षात्कार, डिजिटल रिकॉर्डर (ऑडियो या वीडियो) एफजीडी के दौरान डेटा रिकॉर्ड करने का एक शानदार तरीका है। रिकॉर्ड को तुरंत हस्तांतरित किया जाना चाहिए ताकि समय के साथ इसकी बारीकियां खत्म न हों।

## एफजीडी के लाभ

- 1- फोकस समूह अक्सर धारणाओं, दृष्टिकोणों और अनुभवों पर एक मात्रात्मक सर्वेक्षण से बेहतर हो सकते हैं।
- 2- वे विषय के बारे में गहन बातचीत की अनुमति देते हैं
- 3- एक पेपर सर्वेक्षण के विपरीत, एफजीडी शोधकर्ताओं को बेहतर प्रतिक्रियाओं के लिए प्रश्न या विषय को स्पष्ट करने या समझाने का अवसर देता है।
- 4- जब प्रतिभागी एक दूसरे के साथ किसी विषय पर चर्चा करते हैं, तो वे अधिक सक्रिय और संलग्न हो सकते हैं, जिससे अधिक डेटा प्राप्त होता है। हालांकि, मध्यस्थ की भागीदारी सुनिश्चित करने और सुनिश्चित करने में मध्यस्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

## एफजीडी की सीमाएं

- 1- यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि FGDs की दो प्रमुख सीमाएँ हैं
- 2- चूंकि FGD डेटा गुणात्मक है, इसलिए यह आवश्यक रूप से आबादी के लिए सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गुणात्मक डेटा अक्सर संदर्भ-विशिष्ट होता है।
- 3- मध्यस्थों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे कोई पूर्वाग्रह न दिखाएं। यह बातचीत के प्रक्षेपवक्र पर जोर देगा। चर्चा के दौरान सक्रिय प्रतिभागी मातहत प्रतिभागियों पर हावी न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए मध्यस्थों को भी सक्रिय होना चाहिए।

## शोधकर्ताओं को गहराई से साक्षात्कार के दौरान डेटा कैसे एकत्र करना चाहिए?

जैसे कि गहराई से साक्षात्कार, डिजिटल रिकॉर्डर (ऑडियो या वीडियो) एफजीडी के दौरान डेटा रिकॉर्ड करने का एक शानदार तरीका है। रिकॉर्ड को तुरंत हस्तांतरित किया जाना चाहिए ताकि समय के साथ इसकी बारीकियां खत्म न हों।

## एफजीडी के लाभ

- 1- फोकस समूह अक्सर धारणाओं, दृष्टिकोणों और अनुभवों पर एक मात्रात्मक सर्वेक्षण से बेहतर हो सकते हैं।
- 2- वे विषय के बारे में गहन बातचीत की अनुमति देते हैं
- 3- एक पेपर सर्वेक्षण के विपरीत, एफजीडी शोधकर्ताओं को बेहतर प्रतिक्रियाओं के लिए प्रश्न या विषय को स्पष्ट करने या समझाने का अवसर देता है।

4- जब प्रतिभागी एक दूसरे के साथ किसी विषय पर चर्चा करते हैं, तो वे अधिक सक्रिय और संलग्न हो सकते हैं, जिससे अधिक डेटा प्राप्त होता है। हालांकि, मध्यस्थ की भागीदारी सुनिश्चित करने और सुनिश्चित करने में मध्यस्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

## एफजीडी की सीमाएं

यह महसूस करना महत्वपूर्ण है कि FGDs की दो प्रमुख सीमाएँ हैं

चूँकि FGD डेटा गुणात्मक है, इसलिए यह आवश्यक रूप से आबादी के लिए सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गुणात्मक डेटा अक्सर संदर्भ-विशिष्ट होता है।

मध्यस्थों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे कोई पूर्वाग्रह न दिखाएं। यह बातचीत के प्रक्षेपवक्र पर जोर देगा। चर्चा के दौरान सक्रिय प्रतिभागी मातहत प्रतिभागियों पर हावी न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए मध्यस्थों को भी सक्रिय होना चाहिए।

## विधि अवलोकन

### अवलोकन क्या है?

अवलोकन एक गुणात्मक शोध विधि है जहाँ शोधकर्ता लोगों के व्यवहार या घटनाओं को उनकी प्राकृतिक सेटिंग में देखकर डेटा एकत्र करते हैं।

अवलोकन के 2 मुख्य प्रकार हैं-

**गुप्त:** कोई भी नहीं जानता कि उन्हें मनाया जा रहा है और पर्यवेक्षक छुपा हुआ है। उदाहरण के लिए, हिंदू शादियों के रीति-रिवाजों और समारोहों को समझने का प्रयास करने वाला एक शोधकर्ता स्वयं को अतिथि के रूप में देख सकता है कि क्या हो रहा है। ओवरटेक: हर कोई जानता है कि वे मनाया जा रहा है। उदाहरण के लिए, हिंदू शादियों के एक शोधकर्ता शादी की पार्टी के लिए अपने अध्ययन की व्याख्या कर सकते हैं और शादी को रिकॉर्ड करने के लिए एक वीडियो कैमरा का उपयोग कर सकते हैं।

आमतौर पर, ओवरट्यूड प्रेक्षण बेहतर होते हैं, क्योंकि बिना उनकी जानकारी या अनुमति के लोगों का अवलोकन करना नैतिक समस्याओं को बढ़ा सकता है। गुप्त बनाम ओवरटैन केवल एक प्रकार का अवलोकन नहीं है। प्रत्यक्ष बनाम अप्रत्यक्ष, सरल बनाम व्यवहार और प्रतिभागी बनाम गैर-प्रतिभागी भी हैं। प्रत्येक प्रकार के बारे में यहाँ और जानें।

## क्या प्रतिभागियों को अपनी अनुमति देने की आवश्यकता है?

ओवरव्यू अवलोकन के लिए, किसी भी अवलोकन डेटा को एकत्र करने से पहले प्रतिभागियों से सूचित सहमति प्राप्त की जानी चाहिए।

## अवलोकन कब उपयोगी है?

अवलोकन सबसे उपयोगी होते हैं जब:

- 1- आप किसी निरंतर प्रक्रिया या स्थिति को समझने की कोशिश कर रहे हैं।
- 2- आप लोगों के बीच व्यक्तिगत व्यवहार या बातचीत पर डेटा एकत्र कर रहे हैं।
- 3- लोगों से डेटा एकत्र करना यथार्थवादी नहीं है। यदि उत्तरदाता अनिर्दिष्ट हैं या प्रश्नावली या साक्षात्कार के माध्यम से डेटा प्रदान करने में असमर्थ हैं, तो अवलोकन एक ऐसी विधि है जिसमें प्रतिभागियों से कम की आवश्यकता होती है।
- 4- शोधकर्ताओं को अवलोकन के लिए कैसे तैयार होना चाहिए?
- 5- अवलोकन किए जा रहे अनुसंधान प्रश्नों या प्रक्रियाओं को अच्छी तरह से संरचित किया जाना चाहिए - अर्थात् देखे जाने वाले मापदंडों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, कक्षा में छात्रों का 6-6 अवलोकन करने वाले एक शोधकर्ता के पास देखने के लिए सटीक चीजें होनी चाहिए, जैसे पहले पाँच मिनट के भीतर छात्रों की संख्या या पूरे कक्षा में छात्रों के जुड़ाव का स्तर। विशिष्ट फोकस क्षेत्रों या प्रश्नों का चयन करने से एकत्रित डेटा को शोध प्रश्न के लिए अधिक सटीक और प्रासंगिक बनाने में मदद मिलती है।

## कैसे अवलोकन करना चाहिए?

पर्यवेक्षकों को डेटा संग्रह प्रक्रिया पर अच्छी तरह से प्रशिक्षित होना चाहिए, और प्रभावी, उपयोगी और निष्पक्ष अंतर्दृष्टि के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पर्यवेक्षक स्वयं शोधकर्ता हो सकते हैं, या पर्यवेक्षक पर्यवेक्षकों के रूप में कार्य करने के लिए अन्य लोगों (जैसे छात्रों, प्रशिक्षुओं, अनुसंधान सहायकों या हितधारकों) को प्रशिक्षित कर सकते हैं।

## शोधकर्ताओं को अवलोकन के दौरान डेटा कैसे एकत्र करना चाहिए?

- 1- सही डेटा संग्रह तकनीक इस बात पर निर्भर करती है कि कौन सी जानकारी एकत्र की जा रही है। अवलोकन के माध्यम से डेटा एकत्र करने के कुछ तरीके यहां दिए गए हैं।

- 2- रिकॉर्डिंग शीट और चेकलिस्ट: पूर्व-निर्धारित प्रश्न और प्रतिक्रियाओं दोनों की एक सूची। वे अवलोकन डेटा एकत्र करने का सबसे मानकीकृत तरीका है।
- 3- अवलोकन मार्गदर्शिकाएँ खुली हुई कथा डेटा को रिकॉर्ड करने के लिए स्थान के साथ बातचीत, प्रक्रियाओं या व्यवहारों की सूची।
- 4- फील्ड नोट्स: ओपन-एंडेड नैरेटिव डेटा (जिसे कागज पर या डिजिटल रूप से लिखा जा सकता है) या डिकटेड (एक टेप रिकॉर्डर पर)। यह अवलोकन डेटा एकत्र करने का सबसे कम मानकीकृत तरीका है, क्योंकि इसमें प्रीसेट प्रश्न या प्रतिक्रियाएं शामिल नहीं हैं।
- 5- डिजिटल टूल (जैसे डेटा कलेक्शन ऐप, टेप रिकॉर्डर, लैपटॉप, कैमरा, या वीडियो कैमरा) का उपयोग करके अवलोकन डेटा एकत्र करना बहुत आसान और तेज़ बना सकता है।

## अवलोकन के लाभ

यह शोधकर्ताओं को पहले हाथ के आंकड़ों को इकट्ठा करने की अनुमति देता है जहां से गतिविधि हो रही है। शोधकर्ता उन समूहों से उत्तर प्राप्त कर सकते हैं जिनके पास प्रश्नों का उत्तर देने की इच्छा या इच्छा नहीं है।

## अवलोकन की सीमा

- 1- अंतर्दृष्टि शोधकर्ता पूर्वाग्रह के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं।
- 2- अवलोकन महंगा और समय लेने वाला हो सकता है।
- 3- ओवरव्यू अवलोकन से नागफनी प्रभाव पैदा हो सकता है, जहां लोग जानते हैं कि जब वे देखे जा रहे हैं तो बेहतर व्यवहार करते हैं। गुप्त अवलोकन में, यह मामला नहीं हो सकता है।
- 4- प्रेक्षण करने की योजना? अवलोकन डेटा कब और कैसे एकत्र करें, इसके बारे में और जानें।
- 5- इसके अलावा, यह महत्वपूर्ण है कि टिप्पणियों को शेड्यूल किया जाए ताकि वे जो कुछ भी देखा जा रहा है उसके साथ ओवरलैप करें। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी स्कूल में दोपहर के संगीत की कक्षाओं का निरीक्षण करने की कोशिश कर रहे हैं, तो टिप्पणियों को दोपहर 2 बजे के लिए निर्धारित नहीं किया जाएगा। इसके लिए अग्रिम योजना की आवश्यकता है।

## इसे समेटना

गुणात्मक अनुसंधान सामाजिक परिस्थितियों को नियंत्रित करने वाले व्यवहार और पैटर्न की पहचान करने के लिए सबसे अच्छे साधनों में से एक है। यह एक घटना के पीछे कारणों और औचित्य प्रदान करके मात्रात्मक डेटा से परे एक कदम है, जो अक्सर मात्रात्मक रूप से नहीं खोजा जा सकता है।

गुणात्मक डेटा एकत्र करने के लिए ऊपर (गहराई से साक्षात्कार, फोकस समूह चर्चा और अवलोकन) गुणात्मक अनुसंधान विधियों का उपयोग किया जाता है। हालांकि, कम ज्ञात गुणात्मक अनुसंधान विधियों में साहित्य और शोध विषय पर मौजूदा सामग्री की दस्तावेज़ समीक्षा शामिल है। ये पहचानने में मददगार हो सकते हैं कि अतीत में अनुसंधान के सवालों का आंशिक या पूरी तरह से उत्तर दिया गया है या नहीं।

शिक्षा एक ऐसी सामाजिक दुनिया है जहाँ विभिन्न कारक, तत्व, प्रक्रियाएँ, उत्पाद इत्यादि परस्पर जुड़े हुए हैं और परस्पर जुड़े हुए हैं। इस सामाजिक दुनिया में शोधकर्ता का काम गहरी खोज करना और कारकों, प्रभावों, कारणों, प्रभावों, संबंधों आदि का पता लगाना है और दूसरों को शोध के कनेक्शन को समझने में मदद करना है। उदाहरण के लिए, एक स्कूल आम आदमी के लिए बहुत सरल प्रतीत होता है जहाँ शिक्षकों को पढ़ाने के लिए एक पाठ्यक्रम दिया जाता है, छात्र सीखते हैं, माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं, प्रशासन चीजों को खुश करने का काम करता है ... क्या यह उतना ही सरल है? एक शोधकर्ता के लिए, यह इतना आसान नहीं है। एक शोधकर्ता के लिए एक स्कूल सक्रिय एजेंटों से बना होता है जो मशीनों की तरह काम नहीं करते हैं, लेकिन अधिक जटिल, संदर्भ विशिष्ट और चीजों को अलग तरह से जवाब देते हैं। सारांश स्कूलों में किसी भी सामाजिक दुनिया की तरह जटिल और गतिशील संस्थाएँ हैं जिन्हें अधिक गहरी समझ की आवश्यकता है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- Best, J.W. and Kahn, J (1997) Research in Education (7th Ed) New Delhi: Prentice-Hall of India Ltd.
- Borg. B.L. (2004) Qualitative Research Methods. Boston: Pearson.
- Bloom, B.S (Ed), 1964. Taxonomy of Educational Objectives: The classification of educational goals/ by a committee of college and university examiners, London: Longman
- Cross P.K. 1987, Teaching for learning, An Assoc. Higher Educ Bull 39:3-7.
- Grinder M. 1991. Riding the Information Conveyor Belt, Portland, OR: Metamorphous
- Cohen, L and Manion, L. (1994) Research Methods in Education. London: Routledge.
- Creswell, J.W. (2002) Educational Research. New Jersey: Upper Saddle River.
- Creswell, J.W. (1994) Research Design. London: Sage Publications
- Denzine, N.K. and Lincoln, Y.S.(Eds) (1994) Handbook of Qualitative Research London, Sage Publications
- Diener, E. and Crandall, R. (1978) Ethics in Social and Behavioural Research. Chicago: University of Chicago Press.

Dillon, W.R. and Goldstein, M. (1984) Multivariate Analysis Methods and Applications. New York, John Wiley and Sons.

Gay, L.R. and Airasian, P. (2003) Educational Research. New Jersey: Upper Saddle River.

Husen, T. and Postlethwaite, T.N. (eds.) (1994) The International Encyclopaedia of Education. New York: Elsevier Science Ltd.

Keeves J.P. (ed.) (1988) Educational Research, Methodology and Measurement: An International Handbook Oxford, Pergamon.

McMillan, J.H. and Schumacher, S. (2001) Research In Education. New York: Longman. □

शर्मा एस.जी., जैन आर.के., पारीक जी.-'शोध प्रविधियां एवं सांख्यिकीय तकनीकें' रमेश बुक डिपो, जयपुर, 2003

गुड्डे एवं हॉट - 'मैथड ऑफ़ सोशल रिसर्च' मेक्ग्रा हिल बुक कंपनी, न्यूयार्क, 1972

प्रीसलए जे।, और डेमरिसए के डी (2011) जिम्मेदारी से गुणात्मक अनुसंधान शिक्षण। एन के डेन्ज़िन में और एम डी गिर्दिना )Eds।(, गुणात्मक जाँच और वैश्विक संकट (पीपी। 31.39)। अखरोट क्रीक, सीए: लेफ्ट कोस्ट प्रेस

प्रिसेले, जे।, और रॉलस्टनए के। (2009) गुणात्मक अनुसंधान सिखाने में रुझान: 30 साल का परिप्रेक्ष्य। एम गार्नर में, सी वैगनर और बी कौवालिच )Eds। (सामाजिक विज्ञान में शिक्षण विधियां (पीपी। 13.21) सरे, इंग्लैंड: एशगेट

रुटमैन, आर। (2002) शिक्षक की बात शैक्षिक नेतृत्व, 59 (6), 32-35।